

भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2798
03 अगस्त, 2022 को उत्तर के लिए

लौह और इस्पात का संभावित उपयोग

2798. श्री चंद्र शेखर साहू:
श्री गिरीश भालचन्द्र बापट:
श्री राहुल रमेश शेवाले:
डॉ. प्रीतम गोपीनाथ राव मुंडे:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या देश में लौह और इस्पात का संभावित उपयोग बहुत कम है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी तथ्य और कारण क्या हैं;
(ग) क्या भारत में प्रति व्यक्ति श्रम उत्पादकता 90-100 टन है जो विश्व में सबसे कम है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी तथ्य और सरकार की प्रतिक्रिया क्या है;
(ड.) क्या बहुमूल्य विदेश मुद्रा बचाने के लिए उत्पादन बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है; और
(च) यदि हां, तो इस संबंध में अब तक प्राप्त परिणामों के साथ-साथ स्थिति में सुधार के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री

(श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क) और (ख): विगत पांच वर्षों के दौरान भारत में कच्चे इस्पात की कुल क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग का ब्योरा नीचे दिया गया है:-

वर्ष	कच्चा इस्पात (मिलियन टन में)		
	क्षमता	उत्पादन	क्षमता उपयोग (%)
2017-18	137.97	103.13	75
2018-19	142.24	110.92	78
2019-20	142.30	109.14	77
2020-21	143.91	103.54	72
2021-22	154.06	120.29	78

स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति

(ग) और (घ): श्रम उत्पादकता प्रौद्योगिकी, एकीकरण के स्तर, दक्षता, आउटसोर्सिंग की सीमा आदि के आधार पर हर संयंत्र में भिन्न होती है और इसलिए अंतर-संयंत्र और अंतर देशीय तुलनाओं से मानव संसाधनों के उपयोग में दक्षता आवश्यक रूप से प्रदर्शित नहीं हो सकती है। श्रम उत्पादकता एक प्रचालनात्मक एवं प्रबंधन संबंधी मुद्दा है जो प्रौद्योगिकी, प्रचालन पद्धतियों, पूंजी की लागत, आदि पर निर्भर करती है। इस्पात संयंत्रों में श्रम उत्पादकता बढ़ाने में सरकार की प्रत्यक्ष भूमिका नहीं है। 901 भागीदारों (प्लेअर्स) के साथ एक नियंत्रण-मुक्त क्षेत्र होने के कारण, क्षेत्र में बेहतर पद्धतियों से प्रति व्यक्ति श्रम उत्पादकता बढ़ती है।

(ड.) और (च): विगत पांच वर्षों में कच्चे इस्पात के उत्पादन में बढ़ोतरी का ब्योरा ऊपर तालिका में दिया गया है। इसके अलावा, भारत हाल के वर्षों में इस्पात का शुद्ध निर्यातक रहा है, चूंकि इस्पात के निर्यातों में वृद्धि और आयातों में कमी आई है। विगत तीन वर्षों के दौरान तैयार इस्पात के आयात और निर्यात का ब्योरा नीचे दिया गया है:

वर्ष	कच्चा इस्पात (एमटी)	तैयार इस्पात (एम टी)	
	उत्पादन	आयात	निर्यात
2019-20	109.14	6.77	8.36
2020-21	103.54	4.75	10.78
2021-22	120.29	4.67	13.49

स्रोत : संयुक्त संयंत्र समिति, एमटी= मिलियन टन

सरकार ने घरेलू इस्पात उद्योग को संरक्षित करने और बढ़ावा देने हेतु निम्नलिखित कदम उठाए हैं:-

- राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए इस्पात और हाई-ग्रेड ऑटोमोटिव इस्पात, विद्युत् इस्पात, विशेष इस्पात एवं मिश्र-धातु की समग्र मांग को घरेलू स्तर पर पूरा करने की परिकल्पना की गई है, को अधिसूचित करना।
- मेड इन इंडिया इस्पात की अधिप्राप्ति को बढ़ावा देने हेतु घरेलू रूप से विनिर्मित लौह एवं इस्पात उत्पाद (डीएमआई एंड एसपी) नीति को अधिसूचित करना।
- इस्पात आयातों के अग्रिम पंजीकरण हेतु इस्पात आयात निगरानी प्रणाली (एसआईएमएस) को अधिसूचित करना।
- गैर-मानकीकृत इस्पात के विनिर्माण और आयात को रोकने के लिए इस्पात गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी करना।
